श्री धर्मशास्त अष्टोत्तरशतनामावलिः

ध्यानं ।

कल्हारोज्ज्वल नीलकुंतलभरं कालांबुदश्यामलं
कर्पूराकलिताभिरामवपुषं कांतेंदुबिंबाननं ।
श्रीदंडांकुश-पाश-शूल विलसत्पाणिं मदांत-
द्विपारूढं शत्रुविमर्दनं हृदि महा शास्तारमाद्यं भजे ॥

अथ नामावलिः

1। ॐ महाशास्त्रे नमः
2। ॐ महादेवाय नमः
3। ॐ महादेवसुताय नमः
4। ॐ अव्याय नमः
5। ॐ लोककर्त्रे नमः
6। ॐ लोकभर्त्रे नमः
7। ॐ लोकहर्त्रे नमः
8। ॐ परात्पराय नमः
9। ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः
10। ॐ धन्विने नमः
11। ॐ तपस्विने नमः
12। ॐ भूतसैनिकाय नमः
13। ॐ मंत्रवेदिने नमः
14। ॐ महावेदिने नमः
15। ॐ मारुताय नमः
16। ॐ जगदीश्वराय नमः
17। ॐ लोकाध्यक्षाय नमः
18। ॐ अग्रण्ये नमः
19। ॐ श्रीमते नमः
20। ॐ अप्रमेयपराक्रमाय नमः
21। ॐ सिंहारूढाय नमः
22। ॐ गजारूढाय नमः

23। ॐ हयारूढाय नमः

24। ॐ महेश्वराय नमः

25। ॐ नानाशस्त्रधराय नमः

26। ॐ अनर्घाय नमः

27। ॐ नानाविद्याविशारदाय नमः

28। ॐ नानारूपधराय नमः

29। ॐ वीराय नमः

30। ॐ नानाप्राणिनिषेविताय नमः

31। ॐ भूतेशाय नमः

32। ॐ भूतिदाय नमः

33। ॐ भृत्याय नमः

34। ॐ भुजंगाभरणोज्ज्वलाय नमः

35। ॐ इक्षुधन्विने नमः

36। ॐ पुष्पबाणाय नमः

37। ॐ महारूपाय नमः

38। ॐ महाप्रभवे नमः

39। ॐ मायादेवीसुताय नमः

40। ॐ मान्याय नमः

41। ॐ महनीयाय नमः

42। ॐ महागुणाय नमः

43। ॐ महाशैवाय नमः

44। ॐ महारुद्राय नमः

45। ॐ वैष्णवाय नमः

46। ॐ विष्णुपूजकाय नमः

47। ॐ विघ्नेशाय नमः

48। ॐ वीरभद्रेशाय नमः

49। ॐ भैरवाय नमः

50। ॐ षण्मुखप्रियाय नमः

51। ॐ मेरुशृंगसमासीनाय नमः

52। ॐ मुनिसंघनिषेविताय नमः

53। ॐ देवाय नमः

54। ॐ भद्राय नमः

55। ॐ जगन्नाथाय नमः

56। ॐ गणनाथाय नमः

57। ॐ गणेश्वराय नमः

58। ॐ महायोगिने नमः

59। ॐ महामायिने नमः

60। ॐ महाज्ञानिने नमः

61। ॐ महास्थिराय नमः

62। ॐ देवशास्त्रे नमः

63। ॐ भूतशास्त्रे नमः

64। ॐ भीमपराक्रमाय नमः

65। ॐ नागहाराय नमः

66। ॐ नागकेशाय नमः

67। ॐ व्योमकेशाय नमः

68। ॐ सनातनाय नमः

69। ॐ सगुणाय नमः

70। ॐ निर्गुणाय नमः

71। ॐ नित्याय नमः

72। ॐ नित्यतृप्ताय नमः

73। ॐ निराश्रयाय नमः

74। ॐ लोकाश्रयाय नमः

75। ॐ गणाधीशाय नमः

76। ॐ चतुःषष्टिकलामयाय नमः

77। ॐ ऋग्यजुःसामाथर्वात्मने नमः

78। ॐ मल्लकासुरभंजनाय नमः

79। ॐ त्रिमूर्तये नमः

80। ॐ दैत्यमथनाय नमः

81। ॐ प्रकृतये नमः

82। ॐ पुरुषोत्तमाय नमः

83। ॐ कालज्ञानिने नमः

84। ॐ महाज्ञानिने नमः

85। ॐ कामदाय नमः

86। ॐ कमलेक्षणाय नमः

87। ॐ कल्पवृक्षाय नमः

88। ॐ महावृक्षाय नमः

89। ॐ विद्यावृक्षाय नमः

90। ॐ विभूतिदाय नमः

91। ॐ संसारतापविच्छेत्रे नमः

92। ॐ पशुलोकभयंकराय नमः

93। ॐ रोगहंत्रे नमः

94। ॐ प्राणदात्रे नमः

95। ॐ परगर्वविभंजनाय नमः

96। ॐ सर्वशास्त्रार्थतत्त्वज्ञाय नमः

97। ॐ नीतिमते नमः

98। ॐ पापभंजनाय नमः

99। ॐ पुष्कलापूर्णासंयुक्ताय नमः

100। ॐ परमात्मने नमः

101। ॐ सतांगतये नमः

102। ॐ अनंतादित्यसंकाशाय नमः

103। ॐ सुब्रह्मण्यानुजाय नमः

104। ॐ बलिने नमः

105। ॐ भक्तानुकंपिने नमः

106। ॐ देवेशाय नमः

107। ॐ भगवते नमः

108। ॐ भक्तवत्सलाय नमः

इति श्रीधर्मशास्ताष्टोत्तरशतनामावलिः संपूर्णं ।